Deccan Herald (Bengaluru) 14 February, 2018

Valentine's Day

Large number of youngsters turn to dating apps in hope to find partners, finds survey

Assocham Social Media Foundation spoke to 1,500 people ahead of V-Day

BENGALURU: Single young men and women prefer to find their dates on mobile apps, making matrimonial sites a thing of the past, a survey on the eve of Valentine's Day has revealed.

The Assocham Social Media Foundation interviewed about 1,500 people aged between 25 to 30 in Bengaluru, Chennai, Hyderabad, Ahmedabad, Chandigarh, Delhi NCR, Indore, Kolkata, Lucknow and Mumbai between January 1 and February 10 for the survey.

More than 50% of the respondents said they used apps for casual dating, meaningful relationships or connections outside the prescribed traditional norms, while 20% were confident of finding a lasting partner.

The other 10% used matchmaking apps for social interactions.

While they said they would prefer free and reliable apps over matrimonial sites or newspaper columns, they reasoned that apps allowed them to assess their partners on physical appearance, age, weight, complexion, geographic location, interests, profession and lifestyle.

Study shows..

- More than 50% respondents said they look for casual dates, meaningful relationships, non-traditional connections
- 20% confident of finding lasting partners
- 10% only want to network

Apps also gave them anonymity and exercise control on the kind of information they would reveal such as names, email, pictures and other personal details while establishing a connection, respondents said.

Assocham general secretary D S Rawat said youngsters prefer taking control of their lives, especially finding a partner or a date.

"Dating apps will be mor popular in the foreseeable future since they offer mor choices and chances of meeting people online," he said.

"Dating apps have the potential to become a multi million dollar industry, though it's not even worth more than Rs 500 crore right now," Rawat said. "This is because youngster across India are moving to dating apps in larger numbers."

DH News Service

Jansatta 14 February, 2018

अपना 'वैलेंटाइन' ढूंढने के लिए युवा ले रहे हैं डेटिंग ऐप का सहारा

लखनऊ, 13 फरवरी (भाषा)।

देश-दुनिया में 'वैलेंटाइन डे' की तैयारियों के बीच उद्योग मंडल (एसोचैम) के ताजा सर्वे के मुताबिक अब बड़े शहरों के अविवाहित युवा अपने साथी की तलाश के लिए मोबाइल डेटिंग एप्लीकेशन और सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं।

एसोचैम की सोशल मीडिया शाखा ने एक जनवरी से 10 फरवरी के बीच देश के 10 बड़े नगरों मुंबई, कोलकाता, दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ, अहमदाबाद, बंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद और इंदौर में 20 से 30 वर्ष आयु के 1500 लोगों के बीच सर्वे किया। इनमें से 55 प्रतिशत लोगों ने माना कि उन्होंने डेटिंग, अर्थपूर्ण रिश्ते बढ़ाने और परंपरागत रवायतों से बाहर निकल कर संपर्क बढ़ाने के लिए डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया है।

एसोचैम के राष्ट्रीय महासचिव डीएस रावत ने सर्वे का जिक्र करते हुए कहा कि हम तेजी से बदलते दौर से गुजर रहे हैं। आज का युवा अपने फैसले खुद ले रहा है। चाहे वह कॅरिअर हो, वित्तीय आजादी हो या फिर रिश्ते। ऐसे में यह ताज्जुब की बात नहीं है कि नौजवान अपना जीवनसाथी चुनने जैसे बेहद अहम काम के लिये भी प्रौद्योगिकी के मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में डेटिंग ऐप्स की लोकप्रियता और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि वे प्रयोगकर्ताओं को दूसरों से मुलाकात करने के ज्यादा विकल्प और मौके उपलब्ध कराते हैं। साथ ही भविष्य में उनसे ऑनलाइन संपर्क में रहने का अवसर भी देते हैं। रावत ने कहा कि हालांकि अभी यह शुरुआती दौर है लेकिन देश में युवाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही और ज्यादा लोग ऑनलाइन डेटिंग को चुनेंगे। इसकी वजह से जल्द ही इसका कारोबार करोड़ों रुपए में पहुंच जाएगा।

सर्वे के मुताबिक करीब 20 फीसद उत्तरदाताओं ने बताया है कि वे शादी से जुड़े ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि वे जीवन भर का साथ चाहते हैं। वहीं, दस फीसद लोगों का कहना है कि वे डेटिंग के अलावा सामाजिक संपर्क के लिए मैच-मेकिंग ऐप्स का प्रयोग करते हैं, जबकि बाकी लोगों ने ऐसे ऐप्स के बारे में जानकारी न होने की बात कही।

एसोचैम का सर्वे

एसोचैम की सोशल मीडिया शाखा ने एक जनवरी से 10 फरवरी के बीच देश के 10 बड़े नगरों मुंबई, कोलकाता, दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ, अहमदाबाद, बंगलुरु, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद और इंदौर में 20 से 30 वर्ष आयु के 1500 लोगों के बीच सर्वे किया। इनमें से 55 प्रतिशत लोगों ने माना कि उन्होंने डेटिंग, अर्थपूर्ण रिश्ते बढ़ाने और परंपरागत रवायतों से बाहर निकल कर संपर्क बढ़ाने के लिए डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया है।

वैलेंटाइन डे पर छात्र छात्राओं को परिसर नहीं आने की सलाह

लखनऊ, 13 फरवरी (भाषा)।

महाशिवरात्रि पर लखनऊ विश्वविद्यालय बुधवार को बंद रहेगा। विश्वविद्यालय ने छात्र छात्राओं के लिए परामर्श जारी कर कहा है कि वे कल परिसर में न आएं। विश्वविद्यालय (एलयू) के प्राक्टर विनोद सिंह ने दस फरवरी को जारी परामर्श में कहा, मैं पूर्व के वर्षों से देखता आ रहा हूं कि पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित कुछ छात्र छात्राएं 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाते हैं। हम विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित करना चाहते हैं कि विश्वविद्यालय परिसर कल महाशिवरात्रि के मौके पर बंद रहेगा। कोई अतिरिक्त क्लास, प्रैक्टिकल या सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होगा। छात्र छात्राओं को कल परिसर में नहीं आना चाहिए।

Pioneer (Hindi)

14 February, 2018

अपना वैलेंटाइन ढूंढने के लिए युवा ले रहे हैं डेटिंग ऐप्स का सहाराः एसोचैम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● देश के 10 बड़े नगरों में 20 से 30 वर्ष आयु के लोगों के बीच सर्वे

देश-दुनिया में वैलेंटाइन डे की तैयारियों के बीच उद्योग मण्डल एसोचैम के ताजा सर्वे के मुताबिक अब बड़े शहरों के अविवाहित युवा अपने दिलबर की तलाश के लिए मोबाइल डेटिंग एप्लीकेशन और सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं।

एसोचैम की सोशल मीडिया शाखा ने एक जनवरी से 10 फरवरी के बीच देश के 10 बड़े नगरों मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ, अहमदाबाद, बेंगलूरू, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद और इंदौर में 20 से 30 वर्ष आयु के 1500 लोगों के बीच सर्वे किया। इनमें से 55 प्रतिशत लोगों ने माना कि उन्होंने डेटिंग, अर्थपूर्ण रिश्ते बढ़ाने और परम्परागत रवायतों से बाहर निकलकर सम्पर्क बढ़ाने के लिए डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया है।

एसोचैम के राष्ट्रीय महासचिव डी. एस. रावत ने सर्वे का जिक्र करते हुए कहा कि हम तेजी से बदलते दौर से गुजर रहे हैं। आज का युवा अपने फैसले खुद ले रहा है। चाहे वह कॅरियर हो, वित्तीय आजादी हो या फिर रिश्ते। ऐसे में यह ताज्जुब की बात नहीं है कि नौजवान अपना जीवनसाथी चुनने जैसे बेहद अहम काम के लिए भी प्रौद्योगिकी के मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में डेटिंग ऐप्स की लोकप्रियता और बढ़ने की सम्भावना है, क्योंकि वे प्रयोगकर्ताओं को दूसरों से मुलाकात करने के ज्यादा विकल्प और मौके उपलब्ध कराते हैं। साथ ही भविष्य में उनसे ऑनलाइन सम्पर्क में रहने का अवसर भी देते हैं। रावत ने कहा कि हालांकि अभी यह शुरुआती दौर है लेकिन देश में युवाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही और ज्यादा लोग ऑनलाइन डेटिंग को चुनेंगे। इसकी वजह से जल्द ही इसका कारोबार करोड़ों रुपए में पहुंच जाएगा। सर्वे के मुताबिक करीब 20 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया है कि वे शादी से जुड़े ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि वे जीवन भर का साथ चाहते हैं। वहीं, 10 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे डेटिंग के अतिरिक्त सामाजिक सम्पर्क के लिए मैच-मेकिंग ऐप्स का प्रयोग करते हैं, जबकि बाकी लोगों ने ऐसे ऐप्स के बारे में जानकारी ना होने की बात कही।

Prayukti 14 February, 2018

वैलेंटाइन ढूंढने को युवा ले रहे हैं डेटिंग ऐप्स का सहारा

एजेंसी @ लखनऊ

देश-दुनिया में 'वैलेंटाइन डे' की तैयारियों के बीच उद्योग मंडल 'एसोचैम' के ताजा सर्वे के मुताबिक अब बड़े शहरों के अविवाहित युवा अपने दिलबर की तलाश के लिए मोबाइल डेटिंग एप्लीकेशन और सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं।

एसोचैम की सोशल मीडिया शाखा ने एक जनवरी से 10 फरवरी के बीच देश के 10 बड़े नगरों मुंबई, कोलकाता, दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ, अहमदाबाद, बेंगलूरू, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद और इंदौर में 20 से 30 वर्ष आयु के 1500 लोगों के बीच सर्वे किया। इनमें से 55 प्रतिशत लोगों ने माना कि उन्होंने डेटिंग, अर्थपूर्ण रिश्ते बढ़ाने और परंपरागत रवायतों से बाहर निकलकर संपर्क बढ़ाने के लिए डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया है। एसोचैम के राष्ट्रीय महासचिव डी.एस. रावत ने सर्वे का जिक्र करते हुए कहा कि हम तेजी से बदलते दौर से गुजर रहे हैं।

आज का युवा अपने फैसले खुद ले रहा है। चाहे वह कॅरियर हो, वित्तीय आजादी हो या फिर रिश्ते। ऐसे में यह ताज्जुब की बात नहीं है कि नौजवान अपना जीवनसाथी चुनने जैसे बेहद अहम काम के लिए भी प्रौद्योगिकी के मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ऑनलाइन डेटिंग का व्यापार जल्द ही कारोबार करोड़ों रुपये में पहुंच जाएगा।

20 प्रतिशत लोगों ने किया इस्तेमाल

सर्वे के मुताबिक करीब 20 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया है कि वे शादी से जुड़े ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि वे जीवन भर का साथ चाहते हैं। वहीं, 10 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे डेटिंग के अतिरिक्त सामाजिक संपर्क के लिए मैच-मेकिंग ऐप्स का प्रयोग करते हैं, जबकि बाकी लोगों ने ऐसे ऐप्स के बारे में जानकारी ना होने की बात कही।